''एक ही बपतिस्मा''

पौलुस ने लिखा है कि ''एक ही बपतिस्मा'' है (इफिसियों 4:5)। आम तौर पर इस ''एक बपतिस्मे'' को पाने के लिए जो दो बपतिस्मे माने जाते हैं वे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा और पानी का बपतिस्मा हैं। इन दो बपतिस्मों में तुलना करके हम उस ''एक बपतिस्मे'' को देख सकते हैं जो उस समय लागू था जब पौलुस ने इफिसियों की पुस्तक लिखी थी और आने वाली सदियों में सब के लिए रहेगा। निज़्न प्रश्नों के उज़रों से हमें एक निष्कर्ष निकालने में सहायता मिलेगी:

1. *पवित्र आत्मा का बपतिस्मा कौन देता था और पानी का बपतिस्मा कौन देता था?*

यूहन्ना कहता था कि उसके बाद आने वाला अर्थात यीशु, पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा (मज़ी 3:11)। यीशु ने अपने चेलों को सब जातियों के लोगों को बपतिस्मा देकर चेले बनाने की आज्ञा दी (मज़ी 28:19)। मनुष्य द्वारा दिया गया कोई भी बपतिस्मा पानी का ही बपतिस्मा है, ज़्योंकि मनुष्य ने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं दिया और न ही दे सकता है। इसके अलावा, यीशु ने पानी का बपतिस्मा नहीं दिया (यूहन्ना 4:2); यीशु द्वारा दिया जाने वाला बपतिस्मा पवित्र आत्मा का ही बपतिस्मा है।

2. *पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दिया जाना और पानी का बपतिस्मा किस-किस को मिलना था?*

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देने की प्रतिज्ञा केवल प्रेरितों से की गई थी। सर्वनामों पर विचार करते हुए, प्रेरितों को देखा जा सकता है कि प्रेरितों 1:2-5 में यीशु उनसे बात कर रहा था। यीशु ने आज्ञाएं ''प्रेरितों'' को ही दी थीं (आयत 2)। उसने चालीस दिन तक ''उन्हें'' ही दिखाई देते रहकर, अपने आपको ''उन्हें'' ही जीवित दिखाया था (आयत 3) और ''उनसे'' अर्थात प्रेरितों से ही मिलकर उसने ''उन्हें'' पिता की प्रतिज्ञा की प्रतीक्षा करने के लिए कहा था (आयत 4), और यह कि ''थोड़े दिनों के बाद तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे'' (आयत 5)।

पहले, प्रभु भोज के दौरान (यूहन्ना 13:2, 4), यीशु ने अपने प्रेरितों से निजी तौर पर बात की थी (मज़ी 26:20; लूका 22:14)। उसने उनसे प्रतिज्ञा की थी कि उन्हें पवित्र आत्मा दिया जाएगा। आत्मा ने उन्हें सब बातें सिखानी थीं, वे सब बातें याद करानी थीं जो यीशु ने उनसे कही थीं, और सब सत्य में उनकी अगुआई करनी थी (यूहन्ना 14:25, 26; 15:26; 16:12, 13)।

पिन्तेकुस्त के दिन पवित्र आत्मा प्रेरितों को ही मिला था। प्रेरितों 1:26 में उनका उल्लेख है और इस कारण प्रेरितों 2:1 में ''वे'' उनके लिए ही कहा गया है। इसके अलावा,

प्रेरित ही लोगों के सामने खड़े थे (प्रेरितों 2:14)। भीड़ में से लोगों ने प्रेरितों से ही पूछा था कि वे ज़्या करें (प्रेरितों 2:6, 37)।

बेशक पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्रेरितों के लिए ही था, परन्तु परमेश्वर ने अन्यजातियों में से सबसे पहले बनने वाले मसीहियों को भी पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देकर एक अपवाद बना दिया था। इससे यह पता चलता है कि परमेश्वर अन्यजातियों को दूसरे दर्जे के मसीहियों के रूप में नहीं बल्कि यहूदियों के साथ बराबर के मसीही मानेगा (प्रेरितों 11:15-17)। बाइबल में पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाने वाले लोगों में केवल प्रेरितों का, अपने परिवार और मित्रों के साथ कुरनेलियुस का ही नाम लिया गया है। हम मान सकते हैं कि पौलुस को भी पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दिया गया था, ज़्योंकि उसने कहा कि मैं ''उन बड़े से बड़े प्रेरितों से किसी बात में कम नहीं हूं'' (2 कुरिन्थियों 12:11)।

यीशु ने कहा था कि पानी का बपतिस्मा सारी सृष्टि के लोगों और सब जातियों के लिए था (मत्ती 28:19; मरकुस 16:15, 16)। जहां भी सुसमाचार का प्रचार किया गया, वहां लोगों को पानी का बपतिस्मा दिया गया (प्रेरितों 2:41; 8:12, 38, 39; 9:18; 10:47, 48; 16:15, 33; 19:5), न कि पवित्र आत्मा का। पतरस के लेखों (1 पतरस 3:21) और पौलुस की पत्रियों से संकेत मिलता है कि मसीही बनने वाले सभी लोगों को पानी का ही बपतिस्मा दिया गया था (रोमियों 6:3, 4; 1 कुरिन्थियों 1:13; गलातियों 3:27; कुलुस्सियों 2:12)।

3. *पवित्र आत्मा का बपतिस्मा कैसे दिया जाता था, और पानी का बपतिस्मा कैसे दिया जाता था?*

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्रभु ने दिया था, जिसने प्रेरितों और प्रथम अन्यजाति मसीहियों पर पवित्र आत्मा उंडेला था (प्रेरितों 2:4, 17; 10:45)। पानी का बपतिस्मा मनुष्यों के हाथों से, पानी में गाड़कर और पानी में से बाहर निकालकर दिया जाता था (प्रेरितों 8:38, 39; रोमियों 6:4; कुलुस्सियों 2:12)।

4. *पवित्र आत्मा का बपतिस्मा और पानी का बपतिस्मा किस नाम से दिया जाता है?*

यीशु ने कहा था कि पिता यीशु के नाम में पवित्र आत्मा को भेजेगा, जिसका अर्थ था कि यीशु के अधिकार से भेजेगा (यूहन्ना 14:26)। यीशु ने अपने चेलों को ''पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा'' देने का निर्देश दिया (मत्ती 28:19)। ऐसा करके उन्होंने यीशु के अधिकार से अर्थात उसके नाम में पानी का बपतिस्मा दिया।

5. *पवित्र आत्मा का बपतिस्मा और पानी का बपतिस्मा पाने के लिए ज़्या शर्तें थीं?*

प्रेरितों के लिए पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने से पहले, यरूशलेम में प्रतीक्षा करनी आवश्यक थी (प्रेरितों 1:4, 5)। कुरनेलियुस, या उसके परिवार और मित्रों में से किसी को भी ऐसी प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं थी। परमेश्वर ने उनकी ओर से बिना कोई योग्यता पूरी किए सीधे आत्मा भेज दिया।

पानी का बपतिस्मा पाने के लिए, हमारे लिए परमेश्वर का वचन सुनना (प्रेरितों 8:12; 18:8), यीशु में विश्वास लाना (मरकुस 16:16), मन फिराना (प्रेरितों 2:38) और यीशु में

विश्वास का अंगीकार करना (रोमियों 10:9, 10) आवश्यक है। जिन लोगों ने ये सभी शर्तें पूरी कर ली हैं, उन्हें प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है (प्रेरितों 2:41; 8:12, 35-39; 16:33; 22:16; देखें 9:18)।

6. *ये बपतिस्मे किस आधार पर मिलते हैं?*

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा एक प्रतिज्ञा के रूप में दिया गया था (प्रेरितों 1:4, 5)। पानी का बपतिस्मा एक आज्ञा के रूप में माना जाता है (प्रेरितों 10:48)। जब भी बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी जाती है या आज्ञा के रूप में माना जाता है, तो यह बपतिस्मा पानी का ही होना चाहिए। पानी का बपतिस्मा लेना हमारे द्वारा यीशु की इच्छा को पूरा करने पर निर्भर है। पवित्र आत्मा का बपतिस्मा यीशु की इच्छा पर निर्भर था। आज यदि यीशु हमें यह बपतिस्मा नहीं देता, तो यह हमारा दोष नहीं है बल्कि उसकी इच्छा है। हमारे कार्यों से हमें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं मिल सकता।

7. *पवित्र आत्मा का बपतिस्मा किसे मिला और पानी का बपतिस्मा किसने लिया?*

यीशु ने पिन्तेकुस्त के पर्व के दौरान (प्रेरितों 1:26-2:6, 14, 37) प्रेरितों को पवित्र आत्मा देने की प्रतिज्ञा की थी (प्रेरितों 1:1-8)। (बाद में, इस अवसर को "आरज़्भ" कहा गया था; प्रेरितों 11:15.) उसने कुरनेलियुस के घराने को भी पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दिया था (प्रेरितों 11:15-18; देखें 10:24)। बाइबल में पवित्र आत्मा के बपतिस्मे की केवल इन दो घटनाओं का ही उल्लेख है।

इस तथ्य का कुछ न कुछ महत्व अवश्य है कि पतरस ने अन्यजातियों के पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाने की गवाही देते समय कहा था कि "पवित्र आत्मा उन पर उसी रीति से उतरा, जिस रीति से आरज़्भ में हम पर उतरा था" (प्रेरितों 11:15)। उसने यह नहीं कहा कि आत्मा उन पर ऐसे उतरा जैसे नये बनने वाले मसीही लोगों पर उतरता रहता था। बल्कि पवित्र आत्मा के बपतिस्मे को उस घटना से जोड़ा जिसमें आरज़्भ में प्रेरितों ने यह बपतिस्मा पाया था (प्रेरितों 2:4)।

इससे सहमत होकर, फ्रेड्रिक डेल ब्रूनर ने पौलुस की बात के विषय में लिखा है:

> वह ज़ोर देता है कि पवित्र आत्मा कुरनेलियुस के परिवार पर वैसे ही आया था "जिस रीति से आरज़्भ में हम पर" (आयत 15)। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है। पतरस यह नहीं कहता कि पवित्र आत्मा कुरनेलियुस के परिवार पर "वैसे ही उतरा जैसा सब पर उतरता है।" यदि पतरस ने यह कहा होता तो हम यह मानते कि प्रारज़्भिक कलीसिया में पवित्र आत्मा हर रोज़, या कम से कम प्राय: भाषाएं बोलने के साथ दिया जाता था। परन्तु पतरस द्वारा कैसरिया में होने वाली घटना के समान घटना को "आरज़्भ में" के साथ मिलाना इस सज़्भावना पर ज़ोर देता है कि पिन्तेकुस्त के बाद पिन्तेकुस्त के दिन वाले प्रदर्शन न केवल असामान्य ही थे बल्कि आम लोगों को उनका पता भी नहीं होगा।[1]

बाद में पतरस ने इस घटना की ओर इशारा करते हुए कहा था कि "बहुत दिन हुए,

कि परमेश्वर ने तुम में से मुझे चुन लिया, कि मेरे मुंह से अन्यजाति सुसमाचार का वचन सुनकर विश्वास करें। और मन के जांचने वाले परमेश्वर ने उन को भी हमारी नाईं पवित्र आत्मा देकर उनकी गवाही दी'' (प्रेरितों 15:7, 8)। यरूशलेम में भाइयों को यह समझाने के लिए कि अन्यजातियों को ग्रहण कर लेना चाहिए, पतरस ने यह नहीं कहा कि आत्मा का उतरना अन्यजातियों के लिए बार-बार होने वाली घटना थी। इसके बजाय, उसने इसे अन्यजातियों के लिए होने वाली एक ही बार की घटना से मिलाना आवश्यक समझा, जब कुरनेलियुस के परिवार और उसके मित्रों को पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दिया गया था। इन कारणों से, यह निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देने की बात जारी रहने वाली नहीं थी, बल्कि यह केवल दो अवसरों पर ही दिया गया था: पिन्तेकुस्त के दिन, जब प्रेरितों को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिया गया था, और जब अन्यजातियों के लिए उद्धार के द्वार सबसे पहले खुले थे। (शायद तीसरी बार भी दिया गया था, ताकि पौलुस उन बड़े से बड़े प्रेरितों से किसी बात में कम न रहे; 2 कुरिन्थियों 12:11, 12)।

पानी का बपतिस्मा सब जातियों के लोगों को दिया जाता था। पढ़ें प्रेरितों 2:41; 8:12, 13, 38; 9:18; 10:48; 16:15, 33; 18:8; 19:5; 22:16. स्पष्टतया ये घटनाएं पानी के बपतिस्मे की ही हैं जैसा कि इस तथ्य में देखा जाता है कि जिन लोगों ने बपतिस्मा लिया उन्हें किसी मनुष्य ने बपतिस्मा दिया और/या वे बपतिस्मा लेने की आज्ञा मान रहे हैं। पत्रियों में अन्य लोगों के बपतिस्मा लेने की भी बात मिलती है (रोमियों 6:3, 4; 1 कुरिन्थियों 1:13-16; गलातियों 3:27; इफिसियों 4:5; कुलुस्सियों 2:12; 1 पतरस 3:21)।

8. *पवित्र आत्मा से बपतिस्मे का उद्देश्य ज़्या था और पानी से बपतिस्मे का उद्देश्य ज़्या है?*

पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देने का उद्देश्य प्रेरितों को सामर्थ देना (प्रेरितों 1:8), वचन की पुष्टि करना (मरकुस 16:20; इब्रानियों 2:3, 4), और यीशु की बातें प्रकट करना था (यूहन्ना 14:26; 16:13)। इससे प्रेरितों को यीशु के विशेष प्रतिनिधियों के रूप में तैयारी मिली, ज़्योंकि इससे वे विशेष चिह्नों के साथ-साथ अपने पद की पुष्टि करने में भी सफल हुए (2 कुरिन्थियों 12:12)। अन्यजातियों के मामले में, परमेश्वर ने इस बपतिस्मे को यहूदी मसीहियों में यह सिद्ध करने के लिए इस्तेमाल किया कि अन्यजातियों के लोग भी सुसमाचार को ग्रहण कर सकते हैं और उनका सज़्मान प्रथम श्रेणी के मसीहियों के रूप में किया जाना चाहिए (प्रेरितों 10:47; 11:17; 15:7, 8)।

इससे पहले कि परमेश्वर पाप क्षमा करे (प्रेरितों 2:38; कुलुस्सियों 2:12, 13), पापों को धो डाले (प्रेरितों 22:16) और पापों से उद्धार करे (मरकुस 16:16; 1 पतरस 3:21) पापियों के लिए ज़रूरी है कि वे विश्वास से पानी का बपतिस्मा लें।

9. *दोनों बपतिस्मों के तुरन्त बाद ज़्या हुआ?*

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाकर प्रेरितों ने आश्चर्यकर्म किए और उन्हें परमेश्वर का वचन सीधे तौर पर दिया गया था (इफिसियों 3:3-5)। ज़्योंकि अन्यजातियों को पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दिया गया था इसलिए पतरस उन्हें बपतिस्मा देने के लिए तैयार था (प्रेरितों 10:47) जिससे वे उद्धार पा सकें (देखें मरकुस 16:16)। यहूदी मसीहियों को यह

स्वीकार करने के लिए समझाया गया कि परमेश्वर ने अन्यजातियों से बने मसीहियों को भी ग्रहण कर लिया है और वे उनकी संगति कर सकते हैं। (प्रेरितों 11:17, 18)।

पानी का बपतिस्मा लेने से उन्हें पापों की क्षमा (प्रेरितों 2:38), नया जीवन (रोमियों 6:4) और उस एक देह (1 कुरिन्थियों 12:13) अर्थात मसीह की कलीसिया में (इफिसियों 1:22, 23) सदस्यता मिली।

10. *दोनों बपतिस्मों के तुरन्त बाद ज़्या हुआ?*

पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाने वाले अन्य भाषाएं बोलते थे (प्रेरितों 2:4; 10:45, 46) जिन्हें पानी से बपतिस्मा मिला था वे आनन्द करते थे (प्रेरितों 8:39; 16:33, 34)।

इन दोनों बपतिस्मों की समीक्षा करते हुए, हम यह देख सकते हैं कि आज सब लोगों के लिए कौन सा बपतिस्मा दिया जाता है और लागू है। पानी का बपतिस्मा हर युग में सब जातियों के लिए था, जबकि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा केवल सीमित लोगों के एक समूह के लिए था। पानी का बपतिस्मा उद्धार पाने की इच्छा करने वाले सब पापियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। पवित्र आत्मा के बपतिस्मे से प्रेरितों पर जिन्होंने हमारे लिए नये नियम में सज़्भाल कर रख दिए, मसीह की बातें प्रकट की गईं और उनकी पुष्टि हुई। अन्यजातियों के वर्णन से यह प्रमाण मिलता है कि हम में से जो अन्यजातियों से आने वाले लोग मसीह के द्वारा उद्धार पा सकते हैं और उन्हें भी मसीही बनने वाले उन यहूदियों की तरह ही माना जाएगा।

सारांश

पवित्र आत्मा के बपतिस्मे से प्रेरितों को उनके महान काम और अन्यजातियों के लिए द्वार खोलने के लिए तैयारी करवाई गई। ज़्योंकि वे उद्देश्य पूरे हो चुके हैं, इसलिए पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का काम पूरा हो गया है और अब हमें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं मिलता। अभी भी पानी का बपतिस्मा सब जातियों के लिए आवश्यक है इसलिए वह उन सबके लिए है जो यीशु के लहू द्वारा उद्धार पाने की इच्छा रखते हैं, जारी है।

पाद टिप्पणी

[1]फ्रेड्रिक डेल ब्रूनर, *ए थियोलोजी ऑफ़ द होली स्पिरिट: द पैंटीकॉस्टल एज़्सपीरियंस एण्ड द न्यू टैस्टामेंट विटनेस* (ग्रैंड रैपिड्स मिशी.: Wm. B. ईर्डमैंस पज़्लिशिंग कं. 1970) 194.